महाकाल की नगरी में | by Suren Namdev

महाकाल की नगरी में है जो एक बार आ गया
सबको पार लगाते हो तुम जो भी दर पे आ गया

एक भरोसा तुम पर कि टूटने ना दोगे
एक बार जो पकड़ा हाथ फिर छूटने ना दोगे
तेरे नाम की बाबा जो मन में ज्योत जगा गया
सबको पार लगाते हो तुम जो भी दर पे आ गया

शरण में तेरी आकर हमको आनंद है आवे
तुम ही सबके नाव खिवैया सबको पार लगावे
उसको कभी ना संकट हो जो तुमको दिल में बसा गया
सबको पार लगाते हो तुम जो भी दर पे आ गया

शर्मा को अब क्या चाहिए जो धाम ही वो आ गया
लिखा नहीं था लकीरों में वो भी तुमसे पा गया
दोनों हाथ उठा कर वो जयकारा भी लगा गया
सबको पार लगाते हो तुम जो भी दर पे आ गया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%97%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-suren-namdev/